कृपया प्रकाशनार्थ **28 मई 2014**

कांग्रेसीयों ने हटायी हुई वीर सावरकर की पंक्तियों को सम्मान के साथ अंदमान में पुनर्स्थापित करें : राम नाईक

मुंबई, बुधवार : कांग्रेस के पेट्रोलियम मंत्री श्री. मणिशंकर अय्यर ने अंदमान के स्वातंत्र्यज्योती शिल्प पर से वीर सावरकर की काव्यपंक्तियाँ हटाने की घिनौनी हरकत की थी. अब उन काव्यपंक्तियों को सम्मान से पुनर्स्थापित किया जाए ऐसा अनुरोध प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी से पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने किया है.

वीर सावरकर के जयंती के अवसर पर प्रेस विज्ञप्तीद्वारा इस विषय की जानकारी देते हुए श्री. राम नाईक ने कहा, ''शपथग्रहण करने के बाद प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी जी को लिखे अभिनंदन पत्र में मैंने यह अनुरोध किया है. करोडो देशवासियों के हृदय में राष्ट्रीय अस्मिता को पहुँचायी इस ठेंस की पीडा आज भी है. मैं जब पेट्रोलियम मंत्री था तब अंदमान के सेल्युलर जेल में इंडियन ऑयल फौंडेशनद्वारा हमेशा प्रकाशमान स्वतंत्रता ज्योत के शिल्प निर्माण का निर्णय हुआ. इस शिल्प की चारो ओंर वीर सावरकर, बहादुर शहा जाफर, मदनलाल धिंग्रा, नेताजी सुभाषचंद्र बोस तथा सरदार भगत सिंह के उद्धरण लगाना भी तय हुआ. उसके अनुसार वर्ष 2004 में स्वतंत्रता ज्योत का शिल्प तैयार भी हुआ. किंतु चुनाव आचार संहिता के कारण उसका उद्घाटन हो नहीं पाया. चुनाव के बाद कांग्रेस सत्ता में आयी. तत्कालिन पेट्रोलियम मंत्री श्री. मणिशंकर अय्यर ने 9 अगस्त 2004 को इस ज्योत का उद्घाटन किया. मगर दुष्टबुद्धि श्री. अय्यर ने इस शिल्प पर से वीर सावरकर की निम्नलिखित काव्यपंक्तियों को हटाने का घिनौना काम किया :-

''देश भक्ति का यह व्रत हमने आँख मूँद कर नहीं लिया है ।
इतिहास की प्रखर ज्योति में हमने इस मार्ग की परख की है ।
दृढ प्रतिज्ञ होकर दिव्य अग्नि में जलने का निश्चय जान-बूझकर किया है ।
हमने व्रत लिया है - आत्म बलिदान का ।''

संसद के साथ पूरे देश में उनकी इस हरकत के खिलाफ आक्रोश हुआ, जगह - जगह आंदोलन भी हुआ. किंतु संवेदनाहीन कांग्रेस सरकार ने सावरकर जी की काव्यपंक्तियों को पुनर्स्थापित कर देश की अस्मिता कायम रखने का सौजन्य नहीं दिखाया. शायद यह पुण्य कर्म श्री. नरेंद्र मोदी के हाथों हो यही ईश्वरेच्छा होगी ! इसिलिए अब मैंने प्रधानमंत्री श्री. मोदी का इस विषय की ओर ध्यान आकर्षित किया हैं. मुझे विश्वास है कि वें जल्द ही इस पर कार्यवाही करेंगे''.

''पेट्रोलियम मंत्रालय का जिम्मा अब राज्य मंत्री श्री. धर्मेंद्र प्रधान को सौंपा गया है. आज सावरकर जयंति के अवसर पर उन्हें भी इस विषय में अगुवाई करने का मैंने अनुरोध किया है'', ऐसा भी श्री. राम नाईक ने कहा.

(कार्यालय मंत्री)